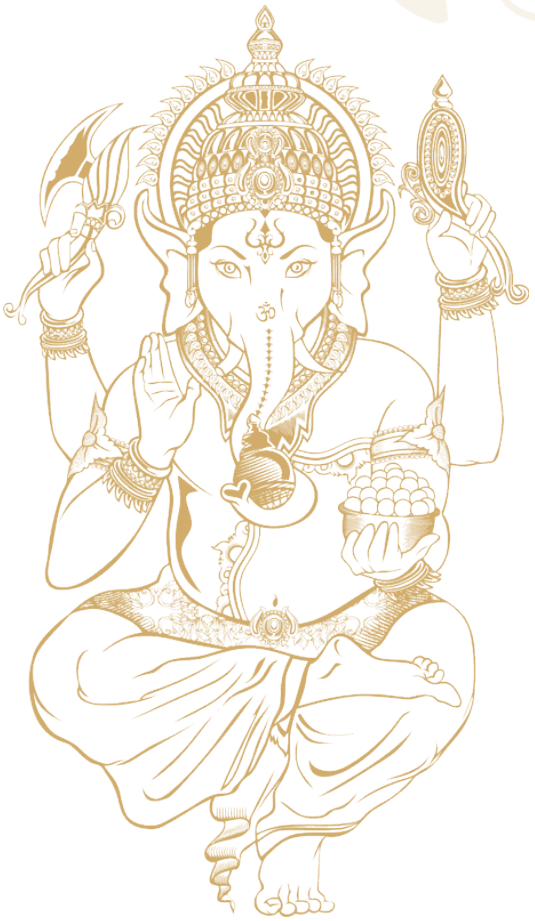

Mr.

24 Dec 1992

04:30 AM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121875505

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23-24/12/1992**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**04:30:00 घंटे**
इष्ट	55:18:09 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:50:16 घंटे
वेलान्तर	00:00:51 घंटे
साम्पातिक काल	11:01:10 घंटे
सूर्योदय	06:22:44 घंटे
सूर्यास्त	16:55:11 घंटे
दिनमान	10:32:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	08:37:33 धनु
लग्न के अंश	12:36:55 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वृद्धि
करण	नाग
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	12:36:55	312:50:17	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
सूर्य			धनु	08:37:33	01:01:09	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	07:47:27	12:43:19	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल	व		मिथु	29:34:22	00:19:48	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	21:50:46	01:26:57	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	सम राशि
गुरु			कन्या	18:57:29	00:06:19	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मक	23:51:02	01:08:23	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	मित्र राशि
शनि			मक	21:46:03	00:05:54	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		वृश्चि	27:46:41	00:00:29	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	27:46:41	00:00:29	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	सम राशि
हर्ष			धनु	23:26:02	00:03:29	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
नेप			धनु	24:17:33	00:02:12	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	00:35:04	00:02:01	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
दशम भाव			सिंह	20:16:39	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:50

लग्न-चलित

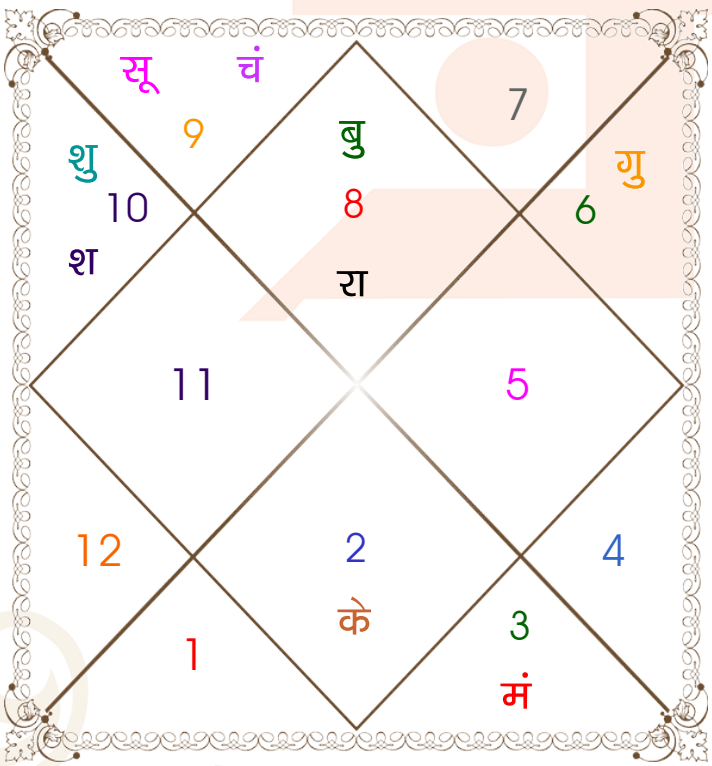

चन्द्र कुंडली

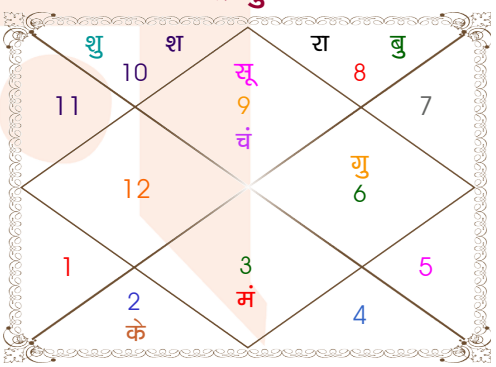

नवमांश कुंडली

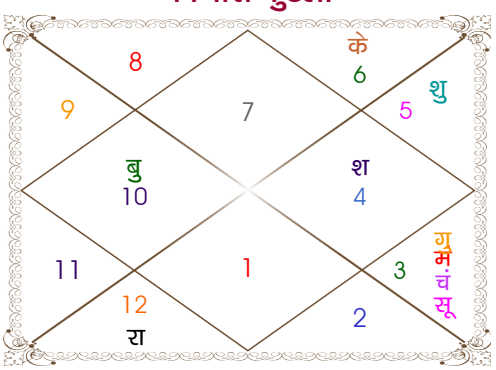

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 10 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
24/12/1992		22/11/1995		22/11/2015		21/11/2021		22/11/2031	
22/11/1995		22/11/2015		21/11/2021		22/11/2031		21/11/2038	
	00/00/0000	शुक्र	23/03/1999	सूर्य	10/03/2016	चंद्र	21/09/2022	मंगल	19/04/2032
	00/00/0000	सूर्य	22/03/2000	चंद्र	09/09/2016	मंगल	22/04/2023	राहु	07/05/2033
	00/00/0000	चंद्र	21/11/2001	मंगल	15/01/2017	राहु	21/10/2024	गुरु	13/04/2034
	00/00/0000	मंगल	21/01/2003	राहु	09/12/2017	गुरु	20/02/2026	शनि	23/05/2035
	00/00/0000	राहु	21/01/2006	गुरु	27/09/2018	शनि	22/09/2027	बुध	19/05/2036
	24/12/1992	गुरु	21/09/2008	शनि	09/09/2019	बुध	20/02/2029	केतु	15/10/2036
गुरु	15/10/1993	शनि	22/11/2011	बुध	16/07/2020	केतु	21/09/2029	शुक्र	15/12/2037
शनि	24/11/1994	बुध	21/09/2014	केतु	21/11/2020	शुक्र	23/05/2031	सूर्य	22/04/2038
बुध	22/11/1995	केतु	22/11/2015	शुक्र	21/11/2021	सूर्य	22/11/2031	चंद्र	21/11/2038

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
21/11/2038		21/11/2056		21/11/2072		22/11/2091		22/11/2108	
21/11/2056		21/11/2072		22/11/2091		22/11/2108		00/00/0000	
राहु	03/08/2041	गुरु	09/01/2059	शनि	25/11/2075	बुध	19/04/2094	केतु	20/04/2109
गुरु	28/12/2043	शनि	22/07/2061	बुध	04/08/2078	केतु	16/04/2095	शुक्र	20/06/2110
शनि	03/11/2046	बुध	28/10/2063	केतु	13/09/2079	शुक्र	14/02/2098	सूर्य	26/10/2110
बुध	22/05/2049	केतु	03/10/2064	शुक्र	12/11/2082	सूर्य	22/12/2098	चंद्र	27/05/2111
केतु	10/06/2050	शुक्र	04/06/2067	सूर्य	25/10/2083	चंद्र	23/05/2100	मंगल	23/10/2111
शुक्र	10/06/2053	सूर्य	22/03/2068	चंद्र	25/05/2085	मंगल	20/05/2101	राहु	10/11/2112
सूर्य	04/05/2054	चंद्र	22/07/2069	मंगल	04/07/2086	राहु	08/12/2103	गुरु	25/12/2112
चंद्र	03/11/2055	मंगल	28/06/2070	राहु	10/05/2089	गुरु	15/03/2106		00/00/0000
मंगल	21/11/2056	राहु	21/11/2072	गुरु	22/11/2091	शनि	22/11/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 11 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के तृतीय चरण में वृश्चिक लग्न के उदयकाल में हुआ था। आपका जन्म तुला नवमांश एवं मीन के द्रेष्काण के प्रभाव से लग्न का प्रभाव अति उच्चाकांक्षी एवं प्रभावशाली प्रतीत होता है एवं सूचित करता है कि आप मात्र निष्कपट प्राणी ही नहीं है, बल्कि आप सर्वथा धनी एवं संभव वैदेशिक परिभ्रमण परिदर्शनार्थी होंगे। आपमें घूमने फिरने की उत्कट लालशा विद्यमान है। आपको कतिपय वैदेशिक भूमि का परिभ्रमण क्रम में कार्य-व्यवसाय की अनुकूलता की संभावनाओं के कारण विदेश में अपना निवास भी बना सकते हैं।

आप अपने जीवन के उद्देश्यित कार्य संपादन हेतु समर्थ होंगे। आप अच्छी प्रकार यह जानते हैं कि लोगों के द्वारा किस प्रकार कुछ भी प्राप्त किया जाता है। आप किसी के साथ भी सन्निकटता प्राप्त करने में मास्टर है तथा शक्ति एवं अधिकृत पद प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय में कैसे उन्नति कर सकते हैं इस युक्ति पर आपको पूर्ण आस्था है। साथ ही आप चिकनी चुपड़ी एवं मीठी-मीठी बातें कर जनसामान्य को अपने वाक्य जाल में फंसा कर अपने प्रति विश्वासी बना लेते हैं। वास्तविकता तो यह है कि आप बाहर से और तथा अंदर हृदय से कुछ और है। आपके वाह्याचरण एवं अंतरंगता में भिन्नता है।

आप अपनी कार्य योजना के गुप्त रहस्यों को स्वयं जानते हो क्योंकि आप अपने अनुकूल समर्थ किसी अन्य को नहीं समझते। इससे आपको आश्चर्यजनक अनुकूलता प्राप्त होती है तथा अकस्मात् उछलकर अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए सुगमतापूर्वक कार्य संपादन कर लेते हैं।

आप में व्यक्तिगत रूप से उच्च महत्वकांक्षा विद्यमान हैं। आपका मुख्य उद्देश्य धन प्राप्त करना है। आप अपनी उपलब्धि के प्रति अपने मस्तिष्क में कोई बल नहीं देते। अर्थात् कोई विशेष चिंतनशील नहीं बनते हैं।

यदि ऐसी परिस्थिति आ जाय कि कोई व्यक्ति अनैतिकपूर्ण आचरण अर्थात् बेईमानी करें तो उसके प्रति प्रतिशोधात्मक रवैया अपनाकर, उसे प्रताड़ित करने अर्थात् सताने लगते हैं। यदि एक बार आप हिंसक प्रवृति अपना लेते है तो फिर आप जहरीले बिच्छू की भांति सतत् उस व्यक्ति को संतप्त करते रहते हैं।

आप भूमि से संबंधित व्यवसाय कर सकते हैं। यथा कृषिकार्य, खदान में खनिज खनन का कार्य, भूमि के नीचे अभियंत्रिकी कार्य आदि जो आपको उपयुक्त लगे वह कार्य कर सकते हैं। आप अभिनय कार्य अथवा कलाभवन अर्थात् साज-शय्या संबंधी कार्य में विशिष्टता प्राप्त कर सकते हैं।

आप परिवारिक जीवन से युक्त रहने को महत्त्व देते हैं। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं समझदार अर्थात् उदीयमान पुत्र से युक्त अपना परिवारिक जीवन यापन हेतु उत्सुक रहते हैं।

आप अपनी आगामी कार्य योजना की अच्छी शुरूआत हेतु आश्वस्त रहते हैं। आप अपनी जीवन संगिनी की उपुयक्ता हेतु जिसका जन्म वृश्चिक, मीन, कर्क, कन्या, मकर अथवा वृष राशि में हुआ है वह जीवन संगिनी आपके लिए अच्छी रहेगी। तब आप उस पत्नी को अपने योग्य चयन कर सकते हैं जो आपको अच्छी संतान एवं सुखमय परिवार का आनंद दे सकती है।

आपके लिए अनुकूल रंग जो जीवन में अनिवार्यता की भूमिका प्रदान कर सके। उस रंग यथा पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंगों का चयन एवं पसंद कर सकते हैं परंतु सफेद रंग, हरा एवं नीला रंग अनुपयुक्त एवं त्याज्यनीय है।

अंकों में 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक आपके लिए अनुकूल है, परंतु 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुपयुक्त है।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।